गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
विकास पथ, गाजियाबाद।

पत्रांक : 425 /एम0पी0/जोन–1/2020–21 दिनांक : 11/11/2020

मानचित्र संख्या : MAP2018092516015327

सेवा में,

मानचित्र स्वीकृति पत्र

मै0 एस0वी0पी0 बिल्डर्स इण्डिया लि0
डायरेक्टर श्री विजय जिंदल,
निवासी– 17, किरन एन्कलेव,
जी0टी0रोड, गाजियाबाद।

महोदय,

आपके प्रार्थना पत्र दिनांक 11.01.2019 के सन्दर्भ में ग्राम नूरनगर के खसरा सं॰– 1131,1133, 1139, 1143 व 1144 ग्राम नूरनगर, गाजियाबाद पर संशोधित ग्रुप हाउसिंग भवन मानचित्र पर निम्नलिखित शर्तो के साथ स्वीकृति प्रदान की जाती है:–

1. यह मानचित्र स्वीकृति दिनांक 30.08.2019 से केवल पांच वर्ष अर्थात दिनांक 29.08.2024 तक वैध है।
2. मानचित्रों की इस स्वीकृति से सम्बन्धित किसी भी शासकीय विभाग स्थानीय निकाय (जैसे नगर पालिका, जी0डी0ए0) अथवा किसी अन्य व्यक्ति का अधिकार तथा स्वामित्व किसी प्रकार से प्रभावित नहीं होता है।
3. भवन मानचित्र जिस प्रयोजन हेतु स्वीकृत कराया गया है उसी प्रयोग में लाया जायेगा।
4. यदि भविष्य में विकास कार्य हेतु कोई विकास व्यय मांगा जायेगा तो वह बिना किसी आपत्ति के देय होगा।
5. जो भूमि विकास कार्य के उपयुक्त नही होगी उसे शासन अथवा किसी स्थानीय निकाय/प्राधिकरण की विकास करने की कोई जिम्मेदारी नही है।
6. दरवाजे व खिड़कियां इस तरह से लगाये जायेंगे कि मुख्य सड़क की ओर न खुले।
7. बिजली की लाईन से निर्धारित सीमा के अन्दर एवं भवन उपविधि के नियमों के विरूद्ध कोई निर्माण कार्य नहीं किया जायेगा।
8. सड़क सर्विस लेन अथवा सरकारी भूमि पर कोई निर्माण सामग्री (बिल्डिंग मैटीरियल) नहीं रखी जायेगी तथा गंदे पानी की निकासी का पूर्ण प्रबन्ध स्वयं करना होगा।
9. स्वीकृत मानचित्रों का एक सैट स्थल पर रखना होगा ताकि उसकी मौके पर कभी भी जांच की जा सकें तथा निर्माण कार्य स्वीकृत मानचित्रों स्पेशीफिकेशन नियमों के अनुसार ही कराया जायेगा तथा भवन के स्वामित्व की भी जिम्मेदारी उन्हीं की होगी।
10. वह मानचित्र उ0प्र0 नगर योजना एवं विकास अधिनियम–1973 की धारा–15 के अन्तर्गत किसी अन्य शर्त के साथ स्वीकार किये जाते है तो वह शर्त भी मान्य होगी।
11. सड़क पर अथवा लेन में निर्धरित से अधिक कोई रेम्प नहीं बनाये जायेंगे। यह कार्य अपनी ही भूमि पर करेंगे।
12. आप द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र दिनांक 14.01.19 एवं इण्डीमेन्टी बॉण्ड दिनांक 08.12.20 का पालन करना होगा।
13. पर्यावरण की दृष्टि से उ0प्र0 राज्य वन नीति अधिनियम के अन्तर्गत कम से कम 50 पेड़ लगाना एवं लैण्ड स्केप प्लान के अनुसार ग्रीन एरिया का विकास किया जाना अनिवार्य है।
14. भवन उपयोग से पूर्व सम्पूर्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा।
15. 15 मी0 से अधिक ऊँचे समस्त प्रकृति के भवन तथा समस्त अवस्थापना सुविधाओं से सम्बन्धित भवनों में नियमानुसार भूकम्परोधी व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

–क्रमश–

16. अस्पताल, नर्सिंग होम, होटल, अतिथि ग्रह विश्राम ग्रह, छात्रावास, महाविद्यालय, विश्व विद्यालय, प्राविधिक संस्थायें, प्रशिक्षण केन्द्र, सामुदायिक केन्द्र, बैक्वेट हॉल, बारात घर व 500 वर्ग मी0 से अधिक क्षेत्रफल के एकल आवासीय भवनों में सोलर वाटर हीटर संयत्र की स्थापना करनी होगी।
17. संरचना सुरक्षा व स्पेसीफिकेशन का पूर्ण उत्तरदायित्व स्वंय आपका होगा। संरचना सुरक्षा व भूकम्परोधी सम्बन्धी समस्त शासनादेशो का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा।
18. आवेदक / भू–स्वामी / निर्माणकर्ता द्वारा निर्माण लागत की 1 प्रतिशत धनराशि लेबर सेस मद में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के खाते में जमा करने की पूर्ण जिम्मेदारी होगा। लेबर सेस की अवशेष धनराशि स्वयं श्रम विभाग में जमा कराकर रसीद प्राधिकरण में प्रस्तुत करनी होगी।
19. अतिरिक्त शर्ते मानचित्र के पृष्ठ भाग पर चस्पा कर दी गयी है। जिनका अनुपालन विकासकर्ता द्वारा अनिवार्य रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

संलग्नकः एक सैट स्वीकृत मानचित्र।

10/12/2020

मुख्य नगर नियोजक
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

पत्रांकः /एम0पी0/जोन–1/2020–21 दिनांकः

प्रतिलिपि : प्रवर्तन खण्ड जोन–1 को स्वीकृत मानचित्र सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

मुख्य नगर नियोजक
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

अतिरिक्त शर्तो

1. प्रस्तावित भवन में रूफ टाप रेन वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था को सुनिश्चित किये जाने हेतु रू. 2,00,000/– की जमानत राशि के रूप पंजाब नेशनल बैंक द्वारा दिनांक 07.12.2020 को प्राधिकरण कोष में जमा किये गये है, जो कि भवन सम्पूर्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने के समय रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के निर्माण एवं यथोचित संचालन की पुष्टि होने के उपरान्त अवमुक्त की जायेगी।
2. भवन का उपयोग पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरान्त ही किया जायेगा।
3. विद्युत विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र संख्या– सी–22/मु0अ0गा0क्षे0/वा0/प्रशा0अनु0/तद दिनांक 21.10.10 में उल्लेखित शर्तो का पालन करना होगा एवं संशोधित एन.ओ.सी. एक माह में प्रस्तुत करने हेतु शपथ पत्र दिनांक 08.12.2020 प्रस्तुत किया गया है।
4. नगर निगम विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र दिनांक 17.03.2011, जो पूर्व स्वीकृत मानचित्र पत्रावली में जमा है, में उल्लेखित शर्तो का पालन करना होगा।
5. पर्यावरण विभाग, उ0प्र0 का अनापत्ति प्रमाण प्रमाण हेतु पत्र संख्या– 373/Parya/SEAC/5753/2020 दिनांक 09.10.2020 में उल्लेखित शर्तो का पालन करना होगा।
6. तहसीलदार का अनापत्ति प्रमाण पत्र दिनांक 11.03.2011 जो पूर्व स्वीकृत मानचित्र पत्रावली में जमा है।
7. एयरपोर्ट अर्थोरिटी ऑफ इण्डिया की पूर्व अनापत्ति पत्र दिनांक 28.05.2015 की छायाप्रति प्रस्तुत की गयी है जिसकी वैधता दिनांक 27.05.2020 को समाप्त हो चुकी है। संशोधित एन.ओ.सी. एक माह में प्रस्तुत करने हेतु शपथ पत्र दिनांक 08.12.2020 प्रस्तुत किया गया है।
8. वेस्ट वाटर रि–साइकिलिंग सिस्टम का सदुपयोग सुनिश्चित करना होगा।
9. भवन उपविधि–2008 के प्रस्तर 3.1.2.3 की क्रम संख्या (xvii) के अनुसार ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड में प्रवेश द्वार के निकट Bio-Degradable and Non Bio-Degradable dustbin स्थापित करने हेतु शपथ पत्र दिनांक 08.12.2020 प्रस्तुत किया गया है।
10. एलिवेटिड रोड़ शुल्क एवं मैट्रो स्टेशन शुल्क के मद में पूर्व में जमा धनराशि का सत्यापन के सम्बन्ध आख्या प्रवर्तन अनुभाग द्वारा प्राप्त हो चुकी।
11. एस०टी०पी० का प्राविधान निर्धारित मानकों के अनुसार प्रस्तावित करना होगा।
12. भवन की स्ट्रक्चरल सेफ्टी एवं भूकम्परोधी होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र एवं स्ट्रक्चरल डिजाईन व ड्रॉइंग स्ट्रक्चरल इन्जीनियर (श्री वी0डी0 शर्मा) एवं आर्किटेक्ट के सयुक्त हस्ताक्षर कराकर प्रस्तुत किया गया है, जो आई.आई.टी, रूड़की के प्रोफेसर डा0 ए0चर्कवर्त्ती द्वारा दि0 04.03.20 को वेट कर प्रस्तुत की गयी है। तदनुसार ही स्थल पर भूकम्परोधी निर्माण स्ट्रक्चरल इजींनियर की देखरेख में कराना होगा। भूकम्परोधी व्यवस्था के सम्बन्ध में शासन के निर्गत आदेशों, संख्या 570/9–आ–1–2001– भूकम्परोधी/2001 (आ.ब) दिनॉंक 03.02.01, 772/9– आ–1–2001–भूकम्परोधी/2001(आ.ब.) दिनॉंक 13.02.01 तथा शासनादेश संख्या 3751/9–आ–1–1–भूकम्परोधी/2001(आ.ब) दिनॉंक 20.07.01 में अंकित प्राविधानों एवं प्रतिबन्धों का पालन करना होगा। उक्त के अतिरिक्त निम्न पूरक प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा :–

(क) भवन निर्माण के पर्यवेक्षण हेतु एक स्नातक सिविल अभियन्ता जिन्हें भवन निर्माण के कार्यों के पर्यवेक्षण में कम से कम 15 वर्ष का अनुभव प्राप्त हो, अनुबन्धित किया जायेगा। पर्यवेक्षण में वह विशेष रुप से यह सुनिश्चित करेगा कि भवन निर्माण हेतु स्ट्रक्चरल इंजीनियर द्वारा संरचनात्मक सुरक्षा एवं भूकम्परोधी समस्त व्यवस्थायें करने के लिए जो डिजाईन अनुमोदित की गयी है उसके अनुरुप ही भवन निर्माण किया जा रहा है।

(ख) भवन निर्माण में जो मुख्य सामग्रियों सीमेन्ट, स्टील/स्टोन ग्रिट, ईंटें, कोर्स सैन्ड एवं मार्टर तथा कंकरीट मिक्स इत्यादि जो उपयोग में लायी जायेगी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु कार्यस्थल पर ही उनके परीक्षण करने की सुविधा उपलब्ध रहनी आवश्यक होगी। इसके साथ ही निर्माण सामग्रियों की नियमित सैंम्पलिंग करके उनकी गुणवत्ता का भौतिक व रसायनिक परीक्षण अधिकृत प्रयोगशाला/संस्थाओं से कराकर उनके परीक्षण परिणाम कार्यस्थल पर ही उपलब्ध रहे ताकि जब भी कोई विशेषज्ञ स्थल पर कार्यों का निरीक्षण करने के लिए जाये तो इन परीक्षण परिणामों को भी देख सके।

(ग) यदि स्वीकृति की किसी भी शर्त का पालन नहीं किया जाता अथवा निरीक्षणकर्ता तकनीकी विशेषज्ञ की रिपोर्ट संतोषजनक नहीं होगी तो आगे का निर्माण कार्य रुकवाते हुए निर्माण कार्य को अनाधिकृत मानते हुए सील भी किया जा सकेगा। ऐसे में न केवल पूर्णताः प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जायेगा वरन् निर्माणकर्ता व उसके सहायक क्रिमिनल शिथिलता की परिधि में माने जायेंगे व तद्नुसार कानूनी कार्यवाही भी की जा सकेगी।

(घ) कार्यस्थल पर प्रमुख स्थान पर 4 फुट X 3 फुट आकार का एक बोर्ड लगाना होगा जिस पर भवन निर्माणकर्ता एवं स्वामियों का नाम, आर्किटैक्ट, स्ट्रक्चरल इंजीनियर, सर्विस डिजाईन इंजीनियर एवं सुपरविजन इंजीनियर का नाम इस प्रकार उल्लिखित होगा कि भवन से लगे मुख्य मार्ग से ही उस स्पष्ट पढ़ा जा सके। निर्माण कार्य से सम्बन्धित कार्य स्थल पर निम्न अभिलेख भी उपलब्ध रहेंगे :–

1. नियत प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत मानचित्र की हस्ताक्षर एवं मुहरयुक्त प्रति
2. अनुमोदित प्रयोगशाला/संस्थान द्वारा दी गयी मृदा परीक्षण की पूर्ण रिपोर्ट एवं प्रस्तावित नींव के प्राविधान सम्बन्धी संस्तुतियाँ
3. अधिकृत स्ट्रक्चरल इंजीनियर द्वारा हस्ताक्षर एवं मुहर युक्त नींव, सुपर स्ट्रक्चर की गणनायें एवं भवन को भूकम्परोधी बनाने हेतु संरचनात्मक सुरक्षा से सम्बन्धित समस्त मानचित्र एवं स्ट्रक्चरल डिटेल
4. अधिकृत आर्किटैक्ट द्वारा हस्ताक्षर एवं मुहर युक्त समस्त वर्किंग ड्राईंग जिनमें सैक्शन एवं एलीवेशन तथा सर्विसिज डिटेल इत्यादि शामिल रहेंगे
5. भवन निर्माण हेतु आवश्यक समस्त टी. एन्ड पी. का विवरण
6. साईट इंजीनियर इन्सपैक्शन रिर्पोट रजिस्टर
7. सामग्री परीक्षण रिर्पोट एवं सम्बन्धित रजिस्टर

13. स्थल पर कम से कम 20 प्रतिशत भाग ग्रीनरी के रूप में रखना होगा तथा 125 वृक्ष प्रति हेक्टेयर की दर से रोपित करना होगा।

14. फायर विभाग द्वारा एन.ओ.सी. प्रमाण पत्र यू.आई.डी. संख्या– यू.पी.एफ.एस./2019/12288/जीजैडबी/गाजियाबाद/939/सी.एफ.ओ. निर्गत दिनांक 19.10.2019 किया जायेगा।

15. रेन वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था का प्राविधान भवन की फिनिशिंग का कार्य से पहले पूर्ण कराना होगा।

16. सोलर वाटर हीटिंग इक्यूपमेन्ट सिस्टम का प्राविधान बी.आई.एस. कोड के अनुसार एवं शासन द्वारा जारी शासनादेश के अनुरूप करना होगा।

17. रोड वाइडेनिंग से प्रभावित भूमि में किसी भी प्रकार का निर्माण अनुमन्य न होगा तथा बाउन्ड्रीवाल रोड वाइडनिंग के उपरान्त बनानी होगी।

18. प्रश्नगत सम्पूर्ण क्षेत्र द्वारा बाहय विकास शुल्क के मद में 75 प्रतिशत धनराशि प्राप्त की दशा में ही इस क्षेत्र में बाहय विकास कराने सम्भव होंगे तथा आन्तरिक विकास कार्य पक्ष को स्वयं कराने होंगे।

19. 10 प्रतिशत पार्क जन सामान्य हेतु खुला रखना होगा।

20. विकासकर्ता को सर्विस प्लान प्रस्तुत करना होगा जिसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं जैसे–सडक,सीवर, सीवर डिस्पोजल,ड्रेन, ड्रेन डिस्पोजल,पीने के पानी की व्यवस्था, भू–गर्भ जल उपयोग किये जाने पर सम्बन्धित विभाग से अनापत्ति एवं विद्युत भार के लिए विद्युत विभाग से अनापत्ति एवं सोलिड वेस्ट डिस्पोजल की व्यवस्था दर्शानी होगी।

21. आन्तरिक विकास कार्य पक्ष को स्वंय करने होगें, तथा सीवर डिस्पोजल की व्यवस्था हेतु ट्रीटमेन्ट प्लान्ट स्वंय निर्मित करना होगा।

22. कूडा निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी एवं प्रवेश द्वारा के समीप भूतल पर बॉयो डि ग्रेडेविल तथा नॉन बॉयो डि ग्रेडेविल डस्टबिन की व्यवस्था करनी होगी।

23. ग्रुप हाउसिंग परिसर में वेस्ट वाटर रिसाईकिलिंग सिस्टम स्थापित कर रिसाईकित वाटर का सदुपयोग सुनिश्चित करना होगा।

24. विकलांग व्यक्तियों हेतु नियमानुसार रैम्प का निर्माण करना होगा।

25. प्रस्तावित निर्माण का लेविल रोड के सापेक्ष नियमानुसार रखना होगा, जिससे कि ड्रेन का डिस्पोजल सुचारू रूप से हो सके।

26. विद्युत व्यवस्था हेतु उ0प्र0 पावर कारपोरेशन से स्वय कनैक्शन प्राप्त करना होगा।

27. नियमानुसार दर्शित पार्किंग स्थल पर ही पार्किंग करनी होगी, सडक पर पार्किंग अनुमन्य नही होगी।

28. अन्दर के खुले स्थल/पार्क का उपयोग उसी रूप में करना होगा, अन्य उपयोग की दशा में दी गयी स्वीकृति स्वतः निरस्त समझी जायेगी।

29. मानचित्र स्वीकृति, भू–स्वामित्व को प्रभावित नही करेगी। भू–स्वामित्व सम्बन्धी वाद विवाद होने तथा सरकारी भूमि पाये जाने की स्थिति में पक्ष स्वंय जिम्मेदार होगा तथा दी गयी स्वीकृत स्वतः निरस्त मानी जायेगी।

30. भविष्य में कोई बढ़ा हुआ विकास शुल्क या अन्य किसी शुल्क की मॉग की जाती है तो उसे पक्ष को जमा कराना होगा।
31. विभिन्न मदो में प्राधिकरण में जमा की जाने वाली धनराशि को जमा किये जाने का उत्तरदायित्व आवेदक का होगा, अन्यथा प्राधिकरण द्वारा नियमानुसार की जाने वाली कार्यवाही को मानना होगा।
32. योजना का लेवल रोड के सापेक्ष नियमानुसार रखना होगा, जिससे कि ड्रेन का डिस्पोजल सुचारू रूप से हो सके।
33. सुविधाजनक दुकानों का निर्माण आवश्यक रूप से अन्य निर्माण के सापेक्ष साथ–साथ करना होगा।
34. पर्यावरण विभाग से अनापत्ति प्राप्त कर कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी।
35. स्थल पर निर्माण के समय लेबर हेतु जन–सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।
36. आवेदक द्वारा प्रस्तुत समस्त शपथ–पत्रों में उल्लिखित समस्त शर्तों का अनुपालन अनिवार्य रूप से करना होगा।
37. नियमानुसार रूफटॉप सोलर फोटोवोल्टाइक पॉवर प्लांट की स्थापना भवन के कुर्सी क्षेत्रफल के न्यूनतम 25 प्रतिशत रूफटॉप एरिया पर अनिवार्य रूप से करनी होगी।
38. कार्य योजना के अनुसार कलेक्शन, ट्रान्सपोर्टेशन व एम॰एस॰डब्लू॰ के डिस्पोजल हेतु सॉलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट रूल, 2016 का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा।
39. मानचित्र निर्गत से पूर्व विकासकर्ता द्वारा इस आशय का शपथ–पत्र प्रस्तुत किया गया है कि समस्त शुल्क मान्य हैं तथा इसके विरूद्ध किसी भी न्यायालय में वाद दायर नहीं किया जाएगा।
40. अपार्टमेन्ट एक्ट 2010 का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा तथा मानचित्र निर्गत के एक माह के अन्दर घोषणा पत्र प्राधिकरण में प्रस्तुत करना होगा।
41. अधिष्ठान एवं उसमें कार्यरत श्रमिको का श्रम विभाग में नियमानुसार पंजीयन कराया जाना आवश्यक होगा।
42. निर्माणाधीन अवधि में निर्माण स्थल पर धूल से बचने हेतु समुचित कवर का प्राविधान किया जायें, निर्माण सामग्री के परिचालन एवं उनके उपयोग की अवधि में निर्माण सामग्रियों पर पानी का छिरकाव किया जायें एवं डस्ट सस्पेशन यूनिट का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जायें। इसके साथ–साथ यह भी सुनिश्चित किया जायें कि निर्माण सामाग्रियों को ले जाने हेतु ढके हुए वाहनों का प्रयोग किया जायें।
43. मा0 राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली में ओ.ए. संख्या 21/2014/ में अलग अलग तिथियों में पारित आदेशों के अनुपालन के क्रम में मुख्य सचिव कार्यालय उत्तर प्रदेश शासन के पत्रांक 1760/पी0एस0एम0एस0/2016 दिनांक 18.11.2016 तथा विशेष सचिव, पर्यावरण विभाग, उ0प्र0 शासन के पत्रांक संख्या 3595/नौ–5–206–29रिट/2014 दिनांक 08.11.2016 से जारी निर्देशो के अनुपालनार्थ निर्माण प्रक्रिया से जनित वायु प्रदूषण की रोकथाम हेतु निम्न शर्तों का अनुपालन करना होगाः–

i. Every builder/owner shall put tarpaulin on scaffolding around the area of construction and the building. No person including builder, owner can be permitted to store any construction material particularly sand on any part of the street, roads in any colony.
ii. The construction material of any kind that is stored in the site will be fully covered in all respects so that it does not disperse in the air in any form.
iii. All the construction material and debris shall be carried in the trucks or other vehicles which are fully covered and protected so as to ensure that the construction debris or the construction material does not get dispersed into the air or atmosphere, in any form whatsoever.
iv. The dust emissions from the construction site should be completely controlled and all precautions taken in that behalf.
v. The vehicles carrying construction material and construction debris of any kind should be cleared before it is permitted to ply on the road after unloading of such material.
vi. Every worker working on the construction site and involved in loading, unloading and carriage of construction material and construction debris shall be provided with mask to prevent inhalation of dust particles.
vii. Every owner and/or builder shall be under obligation to provide all medical help, investigation and treatment to the workers involved in the construction of building and carry of construction material and debris relatable to dust emission.
viii. It shall be the responsibility of every builder to transport construction material and debris waste to construction site, dumping site or any other place in accordance with rules and in terms of this order.
ix. All builders/owners should take appropriate measures and strictly comply with by fixing sprinklers and creations of green air barriers on construction site. Compulsory use of wet-jet in grinding and stone cutting.
x. Wind breaking walls around construction site.
xi. All builders shall ensure that C&D waste is transported and disposed to the C&D waste site only and due record in that behalf shall be maintained by the builders and transporters.

xii. Use of covering sheets should be done for trucks to prevent dust dispersion from the trucks, implemented by district offices.
xiii. Proponent shall ensure that periodical auto maintenance report from the contractor to avoid vehicular pollution.
xiv. Proponent should manage transportation route for vehicles in a well-planned manner to avoid traffic havocs.
xv. The entry and exit points design is very important as it should not disturb the existing traffic.
xvi. Inspection & Maintenance has definite utility on emission performance, Regular vehicle inspection to be done by the contractor to enhance the efficiency of work and to reduce the risk of unwarranted air pollution.
xvii. Fitness certification is a statutory requirement for commercial vehicles and public transport vehicles. Periodicity for certification is once in a Year.
xviii. Pollution Under Control (PUC) certificates are required to be obtained every three months for all categories of vehicles. In case of diesel vehicles, free acceleration smoke is measured.
xix. Life of vehicle should be inspected to avoid further air pollution.
xx. Overloading is another big challenge and the shall be dealt by the proponent as well as State Authorities by installing check booth at entry points.
xxi. Viable emission control technologies exist to reduce diesel exhaust emissions designed to control particulate matter (PM) should be installed/used such as Diesel oxidation catalysts (DOCs), Diesel particulate filters (DPFs), Exhaust gas recirculation (EGR), Selective catalytic reduction (SCR), Lean Nox catalysts (LNCs), Lean Nox traps (LNTs).
xxii. Green belt creation will also act as a mitigating factor.

उक्त शर्तों के उल्लंघन की दशा में एन॰जी॰टी॰ द्वारा पारित आदेश दिनाँक 20.07.16 में उल्लेखित धनराशि पेनल्टी के रूप में वसूल की जायेगी।

44. स्वीकृत मानचित्र पर अवशेष धनराशि प्राधिकरण कोष में जमा किये जाने हेतु उपाध्यक्ष महोदया के अनुमोदन दिनांक 23.11.2020 के क्रम में निम्नानुसार भुगतान करना होगाः—

क्र0 सं0	मूल धनराशि (रू0 में)	ब्याज की धनराशि (रू0 में)	कुल धनराशि (रू0 में)	देय तिथि
1.	2,46,51,916.00	59,16,460.00	3,05,68,376.00	**31.01.2021**
2.	2,46,51,916.00	51,76,902.00	2,98,28,818.00	**30.04.2021**
3.	2,46,51,916.00	44,37,345.00	2,90,89,261.00	**31.07.2021**
4.	2,46,51,916.00	36,97,787.00	2,83,49,703.00	**31.10.2021**
5.	2,46,51,916.00	29,58,230.00	2,76,10,146.00	**31.01.2022**
6.	2,46,51,916.00	22,18,672.00	2,68,70,588.00	**30.04.2022**
7.	2,46,51,916.00	14,79,115.00	2,61,31,031.00	**31.07.2022**
8.	2,46,51,915.00	7,39,557.00	2,53,91,472.00	**31.10.2022**

उपरोक्त किश्तों का भुगतान नियत तिथि पर करना होगा अन्यथा विलम्ब होने पर नियमानुसार दण्ड ब्याज अतिरिक्त देय होगा।

45. बंधक भूमि क्षेत्रफल 7500.00 वर्ग मी को मानचित्र पर लांल रंग से दर्शित किया गया है, जिसे सम्पूर्ण धनराशि जमा किये जाने के उपरान्त अवमुक्त किया जायेगा।

46. पूर्व स्वीकृत मानचित्र का संशोधित मानचित्र संख्या— MAP20180925160153227 पड़ा जायें।

अवर अभियन्ता   नगर नियोजक   मुख्य नगर नियोजक